



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 186]  
No. 186]

नई दिल्ली, बौद्धवार, अप्रैल 19, 1984/चैत्र 30, 1906  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 19, 1984/CHAITRA 30, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1984

आदेश

क० आ० 313 (अ):—केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 30 की उपधारा (3) और उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थातः—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन के नब्बे दिन की समाप्ति पर प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से चाय अधिनियम, 1953 अभिप्रेत है;

(ख) “बोर्ड” से अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्थापित चाय बोर्ड अभिप्रेत है;

(ग) “अध्यक्ष” से चाय बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत अध्यक्ष की शक्तियों का तत्समय प्रयोग करने वाला कोई व्यक्ति भी है;

(घ) “प्ररूप” से इस आदेश से संलग्न कोई प्ररूप अभिप्रेत है;

(ङ) “अनुज्ञप्ति” से इस आदेश के पैरा 9 के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है;

(च) “अनुज्ञप्तिधारी” से इस आदेश के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति का धारक अभिप्रेत है;

(छ) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ज) “विनिर्माता” से चाय का विनिर्माता अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत फ्रीट पत्ती कारखाने और सरकारी चाय कारखाने भी हैं;

(झ) “चाय सीलामी का आयोजक” से अभिप्रेत है कोई व्यक्ति, निगमित निकाय या संगम, चाहे रजिस्ट्रीकृत हो या न हो, जिसके नियंत्रण या

तत्वावधान के अधीन चाय की लोक नीलामिया होती है ;

- (ज) “रजिस्ट्री प्राधिकारी” से अध्यक्ष अभिप्रेत है ;  
(ट) “रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता” से इस आवेश के पैरा 3 के अधीन रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता अभिप्रेत है ।

3. चाय के विनिर्माता का रजिस्ट्रीकरण:—(1) कोई भी विनिर्माता, अपने स्वामित्व या अपने द्वारा नियंत्रित प्रत्येक कारखाने की बाबत इस आदेश के अधीन विधिमान्य रजिस्ट्रीकरण प्राप्त किए बिना चाय विनिर्मित करने का क्रियाकलाप नहीं करेगा ।

(2) रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए वांछा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति रजिस्ट्री प्राधिकारी को प्ररूप ‘क’ में आवेदन करेगा ।

(3) रजिस्ट्री प्राधिकारी, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, किसी आवेदक को रजिस्ट्रीकरण देने से इन्कार कर सकेगा और इस प्रकार पारित आवेश की प्रति उसे देगा ।

(4) जहां रजिस्ट्रीकरण के आवेदन को उप-पैरा 3 के अधीन नामंजूर नहीं किया जाता है वहां रजिस्ट्री प्राधिकारी आवेदक को प्ररूप ‘ख’ में रजिस्ट्रीकरण का एक प्रमाणपत्र देगा ।

4. रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण:—रजिस्ट्री प्राधिकारी विनिर्माता को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् निम्नलिखित आधारों पर रजिस्ट्रीकरण रद्द कर सकेगा, अर्थात् :—

- (क) विनिर्माता द्वारा कारखाने के बन्द किए जाने पर ;  
(ख) आवेदक द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्राप्त करने के समय या बाद में किसी तात्विक तथ्य का दुरुपयोग करने पर ;  
(ग) विनिर्माता द्वारा अधिनियम या इस आदेश के उपबन्धों में से किसी का अधिक्रमण करने पर ।

5. मासिक विवरणियां:—प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता रजिस्ट्री प्राधिकारी को प्ररूप ‘ग’ में एक मासिक विवरणी और ऐसी अन्य जानकारी देगा, जो रजिस्ट्री प्राधिकारी, विशेष या साधारण आदेश द्वारा, समय-समय पर मांगे ।

6. चार नीलामी के आयोजक द्वारा अनुज्ञप्ति का प्राप्त किया जाना:—चाय नीलामी का कोई भी आयोजक अपने नियंत्रण या तत्वावधान के अधीन इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बिना लोक चाय नीलामियों का आयोजन करने, उन्हें कराने या संचालित करने का कारबार नहीं करेगा ।

7. चाय नीलामी के दलाल द्वारा अनुज्ञप्ति का प्राप्त किया जाना:—कोई भी व्यक्ति इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बिना लोक चाय नीलामियों में चाय के दलाल का कारबार नहीं करेगा ।

8. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन:—पैरा 6 और 7 में निर्दिष्ट अनुज्ञप्ति के लिए प्रत्येक आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्ररूप ‘घ’ में प्रस्तुत किया जाएगा ।

9. अनुज्ञप्ति का दिया जाना या नामंजूर किया जाना:—  
(1) अनुज्ञापन अधिकारी, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, किसी आवेदक को अनुज्ञप्ति जारी करने से इन्कार कर सकेगा और ऐसे पारित आदेश की प्रति उसे देगा ।

(2) जहां अनुज्ञप्ति के आवेदन को उप-पैरा (1) के अधीन नामंजूर नहीं किया जाता है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी प्ररूप ‘ड’ में अनुज्ञप्ति उसे जारी करेगा ।

(3) लोक चाय नीलामी के आयोजक का कारबार की अनुज्ञप्ति के लिए प्रत्येक आवेदक, अनुज्ञप्ति के अपने आवेदन के साथ नियम (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो), जो आयोजक के क्रियाकलाप को शासित करेगा, उसके प्रबन्ध समिति के सदस्यों के नाम और पते, (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो), ऐसी प्रबन्ध समितियों के विनियमों को अधि-प्रमाणित करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के नाम, पदनाम और पते, नियम (चाहे किसी भी नाम से ज्ञात हो) जो उसके नियंत्रण और तत्वावधान के अधीन हुई ऐसी लोक चाय नीलामियों के संचालन को शासित करेगा, ऐसी लोक चाय नीलामियों के साथ सहयुक्त क्लालों के नाम और पते और ऐसी अन्य विशिष्टियां, जो अनुज्ञापन अधिकारी समय-समय पर मांगे, देगा ।

(4) यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता की अवधि के दौरान किसी भी समय—

(क) यह विश्वास करने का कारण हो कि चाय नीलामियों का आयोजक, अपने नियंत्रण या तत्वावधान के अधीन हुई लोक चाय नीलामी के संचालन में या उसके सम्बन्ध में दुरुश्चिकित्सा में लिप्त हो रहा है या उसके उसमें लिप्त होने की सम्भावना है तो, या,

(ख) लोक चाय नीलामी पद्धति की कार्यक्षमता में सुधार करने के लिए, या

(ग) देश के विभिन्न भागों में हुई लोक चाय नीलामियों की प्रक्रिया में एकरूपता लाने के लिए, वह चाय नीलामियों के आयोजकों को या तो व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से, निवेश जारी करेगा, और ऐसे निदेशों की प्राप्ति पर चाय नीलामी का प्रत्येक आयोजक उसकी प्राप्ति की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर निदेशों को कार्यान्वित करेगा ।

10. अनुज्ञप्ति की विधिमान्यता की अवधि:—इस आदेश के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति, यदि उसे पहले रद्द न कर दिया गया हो तो, अगले दिसम्बर के इक्कीसवें दिन को समाप्त होगी ।

11. अनुज्ञप्ति का नवीकरण:—(1) अनुज्ञप्ति या उसके नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्ररूप 'ब' में प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) अनुज्ञापन प्राधिकारी उसे दिए गए आवेदन पर और इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, अनुज्ञप्ति का नवीकरण कर सकेगा और प्ररूप 'छ' में एक प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा।

(3) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, अनुज्ञापन प्राधिकारी को, अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख के कम से कम तीस दिन पूर्व ऐसे मामलों के सिवाए प्रस्तुत किया जाएगा जहाँ अनुज्ञप्ति उस वर्ष के पहले दिसम्बर को या उसके पश्चात् जारी की गई है।

12. अनुज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किया जाना:—इस आदेश के अधीन जारी की गई या नवीकरण की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति और दिए गए रजिस्ट्रीकरण के प्रत्येक प्रमाणपत्र पर, यथा स्थिति, अनुज्ञापन प्राधिकारी या रजिस्ट्री प्राधिकारी या बोर्ड के किसी ऐसे अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे जिसे अनुज्ञापन प्राधिकारी, रजिस्ट्री प्राधिकारी द्वारा ऐसा करने के लिए विनिर्दिष्ट रूप से प्राधिकृत किया गया हो।

13. फीस:—अनुज्ञप्ति के जारी करने या उसके नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित फीस होंगी अर्थात्:—

अनुज्ञप्ति को प्रथम बार जारी करने के लिए—500रु०  
अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए 100रु०

14. अनुज्ञप्ति की शर्तें:—(1) इस आदेश के अधीन जारी की गई या नवीकरण की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति के बारे में यह समझा जाएगा कि उसे उसमें नामित व्यक्ति के पक्ष में दिया गया है या नवीकरण किया गया है और किसी भी अनुज्ञप्ति का विक्रय या उसका अन्यथा अन्तरण नहीं किया जाएगा।

(2) यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी अपनी अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाले कारबार के सम्बन्ध में कोई भागीदारी करता है तो वह इस बात को अनुज्ञापन प्राधिकारी की जानकारी में ऐसी भागीदारी करने के तीस दिन के भीतर लगाएगा और अनुज्ञप्ति को उपयुक्त रूप से संशोधित करवाएगा।

(3) जहाँ कोई भागीदारी की गई है वहाँ फर्म के सभी भागीदार और मूल अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति की शर्तों द्वारा आबद्ध होंगे।

(4) यदि कोई भागीदारी विवटित हो गई है तो प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो ऐसे विवटन की तारीख के ठीक पहले भागीदार है, ऐसे विवटन की रिपोर्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी को उसके तीस दिन के भीतर भेजेगा।

(5) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत बार्ड के किसी अधिकारी

द्वारा माँग करने पर निरीक्षण के लिए अपनी अनुज्ञप्ति पेश करेगा।

(6) यदि अनुज्ञप्ति के चालू रहने के दौरान अनुज्ञप्तिधारी कोई ऐसी कार्यवाही करने का आशय रखता है जो आवेदन में की गई ऐसी विशिष्टियों में उपांतरण के लिए अपेक्षा करती है जिनके आधार पर इस समय प्रवृत्त अनुज्ञप्ति जारी की गई है तो वह उसे अनुज्ञापन प्राधिकारी की जानकारी में कम से कम पन्द्रह दिन पहले लाएगा और अपनी अनुज्ञप्ति को उपयुक्त रूप से संशोधित करवाएगा तथा अनुज्ञप्ति में ऐसा संशोधन निःशुल्क किया जाएगा और संशोधित अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाली शेष अवधि के लिए विधिमान्य रहेगी।

(7) चाय भाण्डागारण (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के अधीन अनुज्ञप्ति किसी भाण्डागार का कोई भी स्वामी निम्नलिखित के साथ कोई संयवहार नहीं करेगा—

(क) ऐसे विनिर्माता के साथ जो इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अपेक्षित है किन्तु उसे इस प्रकार रजिस्ट्रीकृत नहीं किया गया है या जिसका रजिस्ट्रीकरण विधिमान्य नहीं रह गया है, या

(ख) किसी लोक चाय नीलामी के किसी ऐसे दलाल या आयोजक के साथ जिससे इस आदेश के अधीन अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है किन्तु उसने ऐसा नहीं किया है, या जिसकी अनुज्ञप्ति विधिमान्य नहीं रह गई है।

(8) कोई भी दलाल किसी ऐसे विनिर्माता के साथ जो इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अपेक्षित है, किन्तु वह इस प्रकार रजिस्ट्रीकृत नहीं है, या जिसका रजिस्ट्रीकरण विधिमान्य नहीं रह गया है, चाय में कोई संयवहार नहीं करेगा।

(9) कोई भी दलाल चाय नीलामी के किसी ऐसे आयोजक द्वारा, जिससे इस आदेश के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञप्ति प्राप्त किए जाने की अपेक्षा की जाती है किन्तु उसने ऐसी अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं की है या जिसकी अनुज्ञप्ति विधिमान्य नहीं रह गई है, संचालित या उसके नियंत्रण या तत्वाधान के अधीन हुई किसी लोक चाय नीलामी में भाग नहीं लेगा।

(10) लोक चाय नीलामी का कोई भी आयोजक, अपने नियंत्रण या तत्वाधान के अधीन हुई लोक चाय नीलामी में किसी रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता से चाय रखने के लिए अनुज्ञात नहीं करेगा या किसी अनुज्ञप्त दलाल को, अपने नियंत्रण या तत्वाधान के अधीन हुई लोक चाय नीलामियों का कारबार नहीं करने देगा।

15. अनुज्ञप्ति का निलम्बन:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी, किसी अनुज्ञप्तिधारी को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्

विन्मलिखित आचारों में से किसी पर अनुज्ञप्ति को निलम्बित कर सकेगा, अर्थात् :—

(क) यह कि अनुज्ञप्ति किसी तार्विक विशिष्ट के सम्बन्ध में दुर्यपदेशन द्वारा प्राप्त की गई है।

(ख) यह कि अनुज्ञप्तिधारी ने अधिनियम के किसी उपबन्ध, इस आदेश या अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का उल्लंघन किया है।

(2) उपखण्ड (1) के अधीन कार्रवाई करने के लिए किसी कार्यवाही में अनुज्ञापन प्राधिकारी की, अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा चुने गए दो स्वतंत्र अफसर सहायता करेंगे।

(3) किसी अनुज्ञप्ति को निलम्बित करने वाला प्रत्येक आदेश लिखित में होगा और उसमें ऐसे निलम्बन के कारण विनिर्दिष्ट होंगे तथा ऐसे आदेश के पारित होने के पन्द्रह दिन के भीतर अनुज्ञप्तिधारी को समुचित किया जाएगा।

16. अनुज्ञप्तिधारी द्वारा लेखाओं का बनाए रखा जाना, पेश किया जाना आदि :—रजिस्ट्री प्राधिकारी/अनुज्ञापन प्राधिकारी निम्नलिखित के सम्बन्ध में समय-समय पर किसी रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता, चाय नीलामियों के अनुज्ञप्त आयोजक या दलाल को निदेश जारी कर सकेगा—

(क) क्रय उत्पादन स्टाक नियति या उसके कारोबार से सम्बन्धित ऐसी अन्य बातों के जो इस आदेश के उद्देश्य को कार्यान्वित करने के प्रयोजनों के लिए सुसंगत हों अभिलेखों को बनाए रखने के संबंध में;

(ख) ऐसे प्ररूप तथा रीति के संबंध में जिसमें ऐसे अभिलेख बनाए रखे जाएंगे; और

(ग) उसके कारोबार से सम्बन्धित ऐसी लेखा-बहियों का जो निदेश में विनिर्दिष्ट हों सम्बन्धित अधिकारी के समक्ष निरीक्षण के लिए पेश करने के संबंध में।

17. लोक नीलामियों की मार्फत चाय का विक्रय :—असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल राज्यों के प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख की ओर से किसी एक वर्ष में अपने द्वारा विनिर्मित चाय का कम से कम सत्तर प्रतिशत या ऐसे उच्चतर प्रतिशत जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए चाय नीलामी के ऐसे आयोजकों के जो इस आदेश के उपबन्धों के अधीन ऐसा करने के लिए अनुज्ञप्त किये गए हैं नियंत्रण या सत्वावधान के अधीन हुई भारत में लोक चाय नीलामियों की मार्फत विक्रय करेगा :

परन्तु रजिस्ट्री प्राधिकारी किसी रजिस्ट्रीकृत विनिर्माता द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी आवेदन पर यदि उसका समाधान हो जाता है कि इस आदेश के किसी उपबन्ध का पालन करने से किसी विनिर्माता को असम्यक कठिनाई होंगी उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इस आदेश के किसी उपबन्ध को शिथिल कर सकेगा।

परन्तु यह और कि एक से अधिक विनिर्माता एकक वा स्वामित्व रखने वाला कोई विनिर्माता पृथक्कृत प्रत्येक चाय एकक के उत्पादन के विनिर्दिष्ट प्रतिशत के स्थान पर ऐसे सभी एककों के कुल चाय उत्पादन के विनिर्दिष्ट प्रतिशत से कम लोक नीलामियों की मार्फत विक्रय नहीं करेगा।

18. छूट :—जहां किसी विनिर्माता के पास केवल एक चाय बागान है जिसमें 100 हेक्टर से कम में चाय की खेती होती है और उसका कुल विनिर्माण ऐसे चाय बागान से उत्पादन पर केवल निर्भर है वहां ऐसे विनिर्माता को लोक नीलामियों की मार्फत चाय का न्यूनतम प्रतिशत से विक्रय के सम्बन्ध में अनुबन्ध से छूट प्राप्त होगी।

19. अन्य प्रवर्गों के लिए छूट :—विनिर्माता द्वारा—

(क) बोर्ड द्वारा अनुमोदित उपभोक्ता पैकों;

(ख) तत्काल चाय;

(ग) चाय थैलियों;

(घ) सुगंधित चाय;

(ङ) हरी चाय; और

(च) चाय (निर्यात अनुज्ञापन विनियमन) आदेश 1984 के खण्ड 4 के अधीन रजिस्ट्रीकृत संविदाओं के अनुसरण में निर्यात की गई चाय।

के रूप में सीधे विपणन की गई किसी चाय को इस आदेश के पैरा 17 के प्रयोजनों के लिए कुल उत्पादन की संगणना करते समय छोड़ दिया जाएगा।

20. अपील :—कोई ऐसा व्यक्ति जो—

(क) रजिस्ट्रीकरण के किए जाने से इन्कार करने या उसे रद्द करने वाले;

(ख) अनुज्ञप्ति के जारी करने या नवीकरण करने से इन्कार करने वाले; या

(ग) अनुज्ञप्ति को निलम्बित करने वाले किसी आदेश से व्यथित है ऐसे आदेश की प्राप्ति की तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा। और केन्द्रीय सरकार ऐसी जांच करने के पश्चात जो वह ठीक समझे ऐसे आदेश को पुष्ट कर सकेगी परिवर्तित कर सकेगी या उपान्तरित कर सकेगी।

21. चाय विपणन संबंधी समिति का गठन :—केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस आदेश के कार्यान्वयन से सम्बन्धित विषयों पर सरकार को सलाह देने के लिए एक समिति का गठन कर सकेगी और इससे सम्बन्धित किसी प्रश्न को समिति की सलाह के लिए समय-समय पर निर्दिष्ट कर सकेगी।

22. आदेशों के निदेशों की तामील :—इस आदेश के अधीन रजिस्ट्री प्राधिकारी या अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश या निदेश—

(क) साधारण प्रकृति के या व्यक्तियों के किसी वर्ग को प्रभावित करने वाले किसी आदेश या निदेश की दशा में राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा और (ख) केवल किसी व्यक्ति को प्रभावित करने वाले आदेश या निदेश की दशा में ऐसे व्यक्ति पर निम्नलिखित रीति से तामील किया जाएगा, —

- (1) उस व्यक्ति को प्रदत्त करके या निविदत्त करके, या
- (2) यदि उसे इस प्रकार प्रदत्त या निविदत्त नहीं किया जा सकता है तो उसे उन परिसरों के जिनमें वह वास्तविक रहता है या कारबार करता है या व्यक्तिगत रूप से अभिलाभ के लिए काम करता है, बाह्य दरवाजे पर या किसी अन्य सहज दृश्य भाग पर चिपका कर और उसकी एक लिखित रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा वह पड़ोस में रहने वाले कम से कम दो व्यक्तियों द्वारा साक्ष्यित होगी।

23. प्रवेश आदि को शक्ति :—(1) रजिस्ट्री प्राधिकारी, अनुज्ञापन प्राधिकारी या बोर्ड द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट रूप से लिखित में प्राधिकृत बोर्ड का कोई अधिकारी किसी भी समय किसी ऐसी किसी भूमि भवन परिसर या यानों में जिनमें रजिस्ट्री या अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के उपबन्धों के उल्लंघन में चाय का भण्डारण किया जाता है उसे ले जाया जाता है उसे वितरित किया जाता है या उसका विक्रय किया जाता है प्रवेश कर सकेगा और उनकी तलाशी ले सकेगा तथा किसी ऐसी चाय या चाय के उत्पाद को जिसके बारे में उसे यह प्रतीत होता है कि उसका इस आदेश के उपबन्धों के उल्लंघन में भण्डारण किया गया है उसे ले जाया गया है, उसे वितरित किया गया है या उसका विक्रय किया गया है अभिग्रहण कर सकेगा।

(2) इस खण्ड के अधीन कार्रवाई करने वाला कोई अधिकारी एक रिपोर्ट यथास्थिति रजिस्ट्री प्राधिकारी या अनुज्ञापन प्राधिकारी को ऐसी कार्रवाई करने के चौबीस घण्टे के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(3) तलाशी और अभिग्रहण से सम्बन्धित दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) के उपबन्ध जहां तक हो सके इस आदेश के अधीन की गई प्रत्येक तलाशी या अभिग्रहण को लागू होंगे।

प्रारूप 'क'

[पैरा 3 (2) देखिए]

चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश 1984 के पैरा 3 (2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

मूल/दुपरी प्रति

सेवा में

रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी  
चाय बोर्ड, कलकत्ता।

महोदय,

मैं/हम चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के प्रयोजनों के लिए चाय के विनिर्माता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

आवश्यक विशिष्टियां निम्नलिखित प्रकार से हैं :—

- (1) आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)  
(भागीदारी समुत्थान की दशा में सभी भागीदारों के नाम दिए जाने चाहिए) :
- (2) पूरा पता (जिस पर पत्र व्यवहार किया जा सकता है) :
- (3) विनिर्माण एककों के नाम और पते :
- (4) राज्य और बागान जिला :
- (5) क्या एकक अपने बागानों में उगाई गई चाय का प्रसंस्करण करता है :
- (6) क्या एकक क्रीत पत्ती कारखाना या सहकारी एकक है जिसकी अपनी कोई सम्पदा नहीं है :
- (7) वार्षिक उत्पादन क्षमता :
- (8) यदि राज्य सरकार ने कारखाने के रूप में रजिस्ट्रीकरण किया है तो रजिस्ट्रीकरण संख्यांक और तारीख :
- (9) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जोन और रजिस्ट्रीकरण संख्यांक :  
मैंने/हमने चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 को सावधानी पूर्वक पढ़ लिया और समझ लिया है और मैं/हम उक्त आदेश के उपबन्धों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

भवदीय

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :—

तारीख :—

प्रारूप 'ख'

[पैरा 3(4) देखिए]

चाय विनिर्माता के रूप में कारबार करने के लिए  
रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

अहस्तांतरणीय

चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश 1984 के पैरा 3(4) के अधीन दिया गया।

14 किलवी लैलोक्थ महाराज सारनी  
कलकत्ता-700001.

तारीख :

रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र संख्यांक-----

श्री/सर्वधी-----निवासी-----को  
चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के उपबंधों के अधीन चाय के विनिर्माता का कारबार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य रहेगा जब तक वह चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 4 के अधीन रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता।

अध्यक्ष

चाय बोर्ड

रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी

प्रारूप 'ग'

[चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 का पैरा 5 देखिए]  
चाय के रजिस्ट्रिकृत विनिर्माताओं द्वारा भेजे जाने वाली मासिक विवरणी

19-----के-----मास की विवरणी

1. चाय विनिर्माण एकक का नाम :
2. रजिस्ट्रिकरण संख्यांक :
3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जॉन :
4. बागान जिला :
5. राज्य :
6. स्वामी का नाम और डाक का पता :
7. आवि स्टॉक (किलो ग्रामों में) :
8. -----मास के दौरान विनिर्मित चाय (किलो ग्रामों में)  
सीटीसी आर्थोडैक्स ग्रीन टी लेग कट योग :
9. विक्रय :

मात्रा (किलोग्राम) औसत मूल्य (रु०/किलोग्राम)

(क) भारतीय नीलामी :

कलकत्ता  
गौहाटी  
सिलीगुड़ी  
अमृतसर  
कोचीन  
कोयम्बटूर  
कोनूर

योग

(ख) लन्दन नीलामियां :

(ग) अग्रिम संविदा के अधीन सीधे निर्यात और प्राइवेट विक्रय :

(घ) कारखाना-द्वार\*\* विक्रय :

(ङ.) चाय बोर्ड द्वारा अनुमोदित रूप में उपभोक्ता पैकों में सीधा विपणन :

(च) कर्मचारियों को भेंट

कुल योग :

[लन्दन नीलामी के लिए पेंस/किलो ग्राम]

- 10.-----मास के अंत में इति स्टॉक/विक्रय न हुआ स्टॉक सीटीसी आर्थोडैक्स ग्रीन टी लेग कट योग
11. विनिर्मित चाय के प्रतिशत के रूप में चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 19 के अधीन छूट प्रति पैकेट चाय आदि को अपवर्जित करते हुए भारत में लोक नीलामियों के माध्यम से विक्रय :

घोषणा

मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरणी में दी गई जानकारी जिसके अन्तर्गत आंकड़े भी हैं सही हैं और उसका सत्यापन अभिलेखों से सत्यापित किया जा सकता है।

हस्ताक्षर

स्वामी/प्रबंधक

स्थान-----

तारीख-----

\*\*निदेशाधीन मास के दौरान कारखाना-द्वार पर जिन व्यक्तियों को चाय का विक्रय किया गया है उनके नाम और पते तथा विक्रय की गई मात्रा और प्रत्येक व्यक्ति की बाबत ली गई औसत कीमत को दर्शाने वाली एक सूची संलग्न की जानी चाहिये।

प्रारूप 'घ'

[पैरा 8 देखिए]

चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 8 के अधीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन

.....मूल/दूसरी प्रति

सेवा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी,

चाय बोर्ड, कलकत्ता-700001

महोदय,

मैं/हम \*चाय नीलामियों में दलाल/चाय नीलामियों में आयोजक के रूप में कारबार करने के लिए अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम\* निम्नलिखित आवश्यक विशिष्टियां प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं:—

1. आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) :  
(भागीदारी समुत्थान की दशा में सभी भागीदारों के नाम दिए जाने चाहिए) :
2. पूरा पता (जिस पर पत्र व्यवहार किया जा सकता है) :
3. अपेक्षित अनुज्ञप्ति की प्रकृति—चाय नीलामों में दलाल/चाय नीलामों के आयोजक के रूप में अनुज्ञप्ति :
4. उस परिसर का पूरा पता जिस पर आवेदक कार्रबार करना चाहता है :
5. संदत्त फ्रीस की रकम :

मैंने/हमने चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 को सावधानी पूर्वक पढ़ लिया है और समझ लिया है तथा मैं/हम उक्त आदेश के उपबंधों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

भवदीय,

(आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर)

स्थान :

तारीख :

\*जो लागू न हों उन्हें काट दीजिए।

टिप्पण 1:—इस आवेदन पर, कम्पनी की दशा में कम्पनी के सचिव या किसी प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा और भागीदारी समुत्थान की दशा में भागीदारों में से किसी एक द्वारा, हस्ताक्षर किए जाने चाहिए और व्यष्टियों की दशा में, हस्ताक्षर के पश्चात् “एकमात्र स्वामी” शब्द जोड़ दिया जाना चाहिए :

टिप्पण 2:—आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा।

प्ररूप 'क'

[पैरा 9(2) देखिए]

चाय नीलामों में दलाल

चाय नीलामों के आयोजक

के रूप में कार्रबार करने के लिए अनुज्ञप्ति

अहस्तान्तरणीय

चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 9(2) के अधीन जारी किया गया।

1. प्रिपलबी नैलोक्य महाराज सारणी कलकत्ता-700001

तारीख :—

अनुज्ञप्ति सं०

श्री, सर्वश्री\* ..... निवासी.....

को चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के उपबंधों के अनुसार चाय के थोक नीलामों में दलाल/चाय नीलामों के आयोजक के रूप में कार्रबार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह अनुज्ञप्ति 31 दिसम्बर, 19..... तक विधिमानी है यदि उसे चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 15 के अधीन उस तारीख के पूर्व निर्रहित नहीं कर दिया जाता।

अध्यक्ष,

चाय बोर्ड,

अनुज्ञापन प्राधिकारी

\*जो लागू नहीं है उसे काट दीजिए।

प्ररूप 'घ'

[पैरा 11(1) देखिए]

चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 11(1) के अधीन अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन

मुल/दूसरी प्रति

सेवा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी

चाय, बोर्ड,

कलकत्ता-700001

महोदय,

मैं/हम \*दलाल, चाय नीलाम आयोजक के रूप में अपनी अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं जो अनुज्ञप्ति संख्याक ..... के रूप में तारीख ..... को आपने जारी की थी।

मैं /हम \*निम्नलिखित आवश्यक विशिष्टियां प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं:—

1. आवेदक का नाम : (स्पष्ट अक्षरों में) (भागीदारी समुत्थान की दशा में सभी भागीदारों के नाम दिए जाने चाहिए) :
2. पूरा पता (जिस पर पत्रव्यवहार किया जा सकता है) :
3. अपेक्षित अनुज्ञप्ति की प्रकृति दलाल, नीलाम आयोजक :
4. उन विभिन्न परिसरों के यदि कोई हैं, पूरे पते जिनमें आवेदक कार्रबार करना चाहता है :

संदत्त फ्रीस की रकम :

6. मैंने/\*हमने चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 को सावधानी पूर्वक पढ़ लिया है और समझ लिया है तथा मैं/हम उक्त आदेश के उपबंधों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

स्थान :

भवदीय

तारीख :

(आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर)

\*जो लागू नहीं हों उसे काट दीजिए।

टिप्पण:—1. अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में भेजा जाए।

2. इस आवेदन पर कंपनी की दशा में कंपनी के सचिव या प्राधिकृत अधिकर्ता द्वारा और भागीदारी समुत्पन्न की दशा में प्राधिकृत भागीदारों में से किसी एक द्वारा, हस्ताक्षर किया जाना चाहिए और व्यक्तियों की दशा में हस्ताक्षर के पश्चात् "एकमात्र स्वामी" शब्द जोड़े जाने चाहिए और किसी अन्य दशा में इस पर प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

प्ररूप 'छ'

[पैरा 11(2) देखिए]

चाय बोर्ड,

14, विपलवी द्वैलोक्य महाराज सारणी,

कलकत्ता-700001।

#### अनुज्ञप्ति का नवीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि तारीख '...' को '...' को दलाल, नीलाम आयोजक के रूप में कारबार करने के लिए चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के उपबन्धों के अनुसार दी गयी अनुज्ञप्ति को 31 दिसम्बर 19... तक के लिए नवीकृत किया जाता है यदि उक्त अनुज्ञप्ति चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के पैरा 15 के अधीन उस तारीख से पूर्व निलंबित नहीं कर दी जाए।

तारीख.....

नवीकरण सं०.....

अनुज्ञापन प्राधिकारी,

[फाइल सं० के०/11012 (1)/84-लान्ट 'ए']

बी० सी० पांडे, अतिरिक्त सचिव

#### MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

#### ORDER

New Delhi, the 19th April, 1984.

S.O. 313 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) and sub-section (5) of section 30 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953) the Central Government hereby makes the following order, namely :—

(i) Short title and commencement.—This order may be called the Tea (Marketing) Control Order, 1984.

(ii) It shall come into force on the expiry of ninety days of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Tea Act, 1953;

(b) "Board" means the Tea Board established under section 4 of the Act;

(c) "Chairman" means the Chairman of the Tea Board and includes any person exercising for the time being powers of the Chairman;

(d) "Form" means a form appended to this Order;

(e) "licence" means a licence granted under paragraph 9 of this Order;

(f) "licence" means a holder of a licence granted under this Order;

(g) "licensing authority" means the Chairman;

(h) "manufacturer" means a manufacturer of tea and includes bought leaf factories and cooperative tea factories;

(i) "organiser of tea auction" means any person, corporate body or association, whether registered or not, under whose control or auspices public auctions of tea take place;

(j) "registering authority" means the Chairman;

(k) "registered manufacturer" means a manufacturer registered under paragraph 3 of this Order.

3. Registration of manufacturer of tea.—(1) No manufacturer shall carry on the activities of manufacturing tea except under a valid registration obtained under this Order in respect of each factory owned or controlled by him.

(2) Every person desiring to obtain a certificate of registration shall make an application to the registering authority in Form 'A'.

(3) The registering authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to grant a registration to an applicant and shall furnish him with a copy of the order so passed.

(4) Where an application for registration is not refused under sub-paragraph (3), the registering authority shall grant the applicant a certificate of registration in Form 'B'.

4. Cancellation of Registration.—The registering authority may, after giving the manufacturer an opportunity of being heard, cancel the registration on the following grounds, namely :—

(a) Closure of business by the manufacturer;

(b) Misrepresentation of any material fact by the applicant at the time of obtaining registration or subsequently;

(c) Violation by the manufacturer of any of the provisions of the Act or this Order.



5. Monthly returns.— Every registered manufacturer shall furnish to the registering authority a monthly return in Form 'C' and such other information as the registering authority may, by special or general order, call for from time to time.

6. Organiser of Tea Auction to obtain a licence.— No organiser of tea auction shall carry on the business of organising, holding or conducting public tea auctions under its control or auspices except under a licence obtained in accordance with the provisions of this Order.

7. Broker in Tea Auction to obtain licence.— No person shall carry on the business of a broker of tea in public tea auctions except under a licence obtained in accordance with the provisions of this Order.

8. Application for licence.— Every application for a licence referred to in paragraph 6 and paragraph 7 shall be submitted to the licensing authority in Form 'D'.

9. Grant or refusal of licence.— (1) The licensing authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to issue a licence to an applicant and shall furnish him with a copy of the Order so passed.

(2) Where an application for licence is not refused under sub-paragraph (1), the licensing authority shall issue him a licence in Form 'E'.

(3) Every applicant for a licence for carrying on the business of an organiser of public tea auction shall, alongwith his application for a licence submit to the licensing authority the rules (by whatever name called) which would govern the activities of the organiser, the names and addresses of the members of its managing committee, (by whatever name called), the names, designations and addresses of persons authorised to authenticate the decisions of such managing committees, the rules (by whatever name called) which would govern the conduct of such public tea auctions held under its control and auspices, the names and addresses of the brokers associated with such public tea auctions and such other particulars as the licensing authority may, from time to time, call for.

(4) If the licensing authority at any time during the validity period of a licence—

(a) has reason to believe that an organiser of tea auctions is indulging in or is likely to indulge in malpractices in the conduct of or relation to the public tea auction held under its control or auspices or;

(b) for improving the efficiency of the public tea auction system, or;

(c) to bring about uniformity in the procedure of public tea auctions held in various parts of the country;

issue directions to the organisers of tea auctions either individually or collectively, and on the receipt of such directions, every organiser of tea auction shall carry out the directions within a period of thirty days from the date of receipt thereof.

10. Period of validity of a licence.— A licence issued under this Order shall, unless cancelled before, expiry on the 31st day of December following.

11. Renewal of licence.— (1) Every application for a licence or a renewal thereof shall be submitted to the licensing authority in Form 'F'.

(2) The licensing authority may, on an application made to it and subject to the other provisions of this Order, renew a licence and issue a certificate in Form 'G'.

(3) Every application for renewal of a licence shall be submitted to the licensing authority not less than thirty days before the date of expiry of the licence except in cases where the licence has been issued on or after 1st December of that year.

12. Signing of licence.— Every licence issued or renewed and every certificate of registration granted under this Order shall be signed by the licensing authority or the registering authority, as the case may be, or by any officer of the Board specifically authorised to do so by the licensing authority/registering authority.

13. Fees.— Every application for the issue of a licence or renewal thereof shall be accompanied by the following fees, namely :—

for the first issue of a licence . . . . . Rs. 500  
for renewal of a licence . . . . . Rs. 100

14. Conditions of licence.— (1) Every licence issued or renewed under this Order shall be deemed to have been granted or renewed in favour of the person named therein and no licence shall be sold or otherwise transferred.

(2) If a licensee enters into a partnership with regard to the business covered by his licence, he shall bring the matter to the notice of the licensing authority within thirty days of entering into such partnership and shall get the licence suitably amended.

(3) Where a partnership is entered into, all the partners in the firm as well as the original licensee shall be bound by the conditions of the licence.

(4) If a partnership is dissolved, every person who is a partner immediately before the date of

such dissolution shall send a report of such dissolution to the licensing authority within thirty days thereof.

(5) Every licensee shall produce his licence for inspection on demand by an officer of the Board duly authorised by the licensing authority in this behalf.

(6) If, during the currency of a licence, the licensee intends to take any action which calls for modifications in the particulars furnished in the application on the basis of which the licence for the time being in force has been issued, he shall bring it to the notice of the licensing authority at least fifteen days in advance and get his licence suitably amended and such amendment to the licence shall be made free of any charge and the amended licence shall be valid for the rest of the period covered by the licence.

(7) No owner of a warehouse licensed under the Tea Warehousing (Licensing) Order, 1980 shall enter into any transaction with—

- (a) a manufacturer who is required to be registered under this Order, but has not so registered, or whose registration has ceased to be valid; or
- (b) a broker or organiser of a public tea auction who is required to obtain a licence under this Order but has not done so, or whose licence has ceased to be valid.

(8) No broker shall enter into any transaction in tea with any manufacturer required to be registered under this Order but has not so registered, or whose registration has ceased to be valid.

(9) No broker shall participate in a public tea auction conducted by or held under the control or auspices of an organiser of tea auction who is, under the provisions of this Order, required to obtain a licence but has not obtained such a licence, or whose licence has ceased to be valid.

(10) No organiser of public tea auction shall allow teas from any registered manufacturer to be put in public tea auction held under its control or auspices or allow any unlicensed broker to carry on the business of public tea auctions held under its control or auspices.

15. Suspension of a licence.—(1) The licensing authority may, after giving a licensee an opportunity of being heard, suspend a licence on any of the following grounds, namely :—

- (a) that the licence has been obtained by misrepresentation as to a material particular;
- (b) that any of the provisions of the Act this Order or any conditions of the licence has been contravened by the licensee;

(2) In any proceeding for taking action under sub-clause (1), the licensing authority shall be assisted by two independent assessors chosen by the licensing authority.

3. Every Order suspending a licence shall be in writing and shall specify the reasons for such suspension and shall be communicated to the licensee within fifteen days of the passing of such Order.

16. Maintenance, production etc., of accounts by licensee.—The registering authority/licensing authority may, from time to time issue directions to any registered manufacturer, licensed organiser of tea auctions or broker as regards—

- (a) the maintenance of records of purchase, production, stocks, exports or other matters connected with his business which are relevant for purposes of carrying out the objects of this Order;
- (b) the form and manner in which such records shall be maintained; and
- (c) the production for inspection to the officer concerned such books of account relating to his business as may be specified in the direction.

17. Sale of tea through public auctions.—Every registered manufacturer in the States of Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala shall, on and from the date of commencement of this Order, sell not less than 70 per cent or such higher percentage as may be specified from time to time by the Board, of tea manufactured by him in a year through public tea auctions in India held under the control or auspices of organisers of tea auction licensed to do so under the provisions of this Order.

Provided that the registering authority may, on an application submitted by a registered manufacturer, if satisfied that in enforcing compliance with any provisions of this Order undue hardship would result to any manufacturer for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of this Order :

Provided further that a manufacturer owning more than one manufacturing unit shall sell not less than the specified percentage of the total tea production of all such units through public auctions instead of the specified percentage of production of each tea unit separately.

18. Exemption:—Where a manufacturer has only one tea garden with less than 100 hectares under tea cultivation and his total manufacture is dependent solely on the production from such tea garden, such manufacturer shall be exempted from the stipulation in regard to the sale of the minimum percentage of tea through public auctions.

19. Exemption for other categories.—Any tea marketed directly by the manufacturer in the form of—

- (a) consumer packs approved by the Board;
- (b) instant tea;
- (c) tea bags;
- (d) aromatic tea;
- (e) green tea; and
- (f) tea exported pursuant to contracts registered under clause 4 of the Tea (Regulation of Export Licensing) Order, 1984,

shall be excluded while computing the total production for purposes of paragraph 17 of this Order.

20. Appeal.—Any person aggrieved by an order—

- (a) refusing the grant or cancellation of a registration;
- (b) refusing the issue or renewal of a licence; or
- (c) suspending a licence,

may, within a period of three months from the date of receipt of such Order, appeal to the Central Government and the Central Government may, after making such inquiry as it may think fit, confirm, reverse or modify such order.

21. Constitution of Committee on tea marketing.—The Central Government may, by notification in the Official Gazette, constitute a Committee to advise the Government on matters relating to the implementation of this Order and may, from time to time refer any question relating thereto for the Committee's advice.

22. Service of orders and directions.—Any order or direction made by the registering authority or licensing authority under this Order shall,—

- (a) in the case of an order or direction of a general nature affecting a class of persons, be notified in the Official Gazette, and—
- (b) in the case of an order or direction affecting only an individual, be served on such individual,—
  - (i) by delivering or tendering it to that individual, or
  - (ii) if it cannot be so delivered or tendered, by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which that individual lives, or carries on business or personally

works for gain and a written report thereof shall be prepared and witnessed by at least two persons living in the neighbourhood.

23. Power of Entry etc.—(1) The registering authority, the licensing authority or any officer of the Board specifically authorised in this behalf in writing by the Board, may enter and search at any time any land, building, premises or vehicles in which the registering or licensing authority has reason to believe that tea is stored, carried, distributed or sold in contravention of the provisions of this Order and seize any tea or product of tea which appears to him to be stored, carried, distributed or sold in contravention of the provisions of this Order.

(2) Any officer taking action under this clause shall submit a report to the registering authority or the licensing authority, as the case may be, within twentyfour hours of taking such action.

(3) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1973), relating to searches and seizure shall so far as may be apply to every search or seizure made under this Order.

FROM-A

[See Paragraph 3(2)]

Application for Registration under Paragraph 3(2) of Tea (Marketing) Control Order, 1984

ORIGINAL|DUPLICATE

To

The Registering Authority,  
Tea Board,  
Calcutta.

Sir,

I/We hereby apply for registration as a manufacturer of tea for purposes of the Tea(Marketing) Control Order, 1984.

Necessary particulars are furnished below: —

- (1) Name of the applicant (in block letters). (in the case of partnership concern the names of all the partners should be given);
- (2) Full address to which correspondence is to be sent.
- (3) Names and address of the manufacturing units.
- (4) State and Plantation District.
- (5) whether the unit processes tea grown in its own gardens.

(6) Whether the unit is a bought leaf factory of a cooperative unit not having an estate of its own.

(7) Annual capacity for production.

(8) If registered as a factory with State Government, Registration No. and Date.

(9) Central Excise Zone and registration No. I/We have carefully read and understood Tea (Marketing) Control Order, 1984 and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

Signature of the Applicant.

Place:.....

Date:.....

### FORM B

[See Paragraph 3(4)]

Certificate of registration for carrying on business as Manufacturer of Tea.

NOT Transferable.

Issued under paragraph 3(4) of the Tea Marketing Control Order, 1984.

14, BIPLABI TRAILOKYA MAHARAJ  
SARANI, CALCUTTA-700001

DATE:

Certificate of Registration No. .... Shri Sharvashri. .... of ..... is/are hereby authorised to carry on the business of manufacturer of tea under the provisions of the Tea (Marketing) Control Order, 1984.

This certificate shall continue to be valid until cancelled by the registering authority under paragraph 4 of the Tea Marketing (Control) Order, 1984.

CHAIRMAN,  
TEA BOARD,  
REGISTERING AUTHORITY.

### FORM C

[See Paragraph 5 of Tea (Marketing) Control Order, 1984]

Monthly Return to be sent by Registered Manufacturers of Tea.

Return for the month of ..... 19.....

1. Name of the Tea Manufacturing Unit.
2. Registration No.
3. Central Excise Zone
4. Plantation District.
5. State.

6. Name of wner with postal address.

7. Opening Stocks (in kgs.).

8. Tea Manufactured (in kgs.) during the month of.....

CTC Orthodox Green Tea Legg Cutt TOTAL

9. SALES.....

QTY. (Kgs.)	Average Price (Rs./Kgs.)
(a) Indian Auctions:	
Calcutta.	
Gauhati.	
Siliguri.	
Amritsar	
Cochin.	
Coimbatore.	
Coonoor.	
TOTAL	
(b) London auction.	
(c) Direct Exports under forward contract and private sales.	
(d) Ex-factory sale.	
(e) Direct marketing in consumer packs as approved by Tea Board.	
(f) Gift to employees.	
(GRAND TOTAL):	
(Pence/Kg. for London Auction).	
10. Closing/unsold stock at the end of the month:	
CTC Orthodox Green Tea Legg Cutt TOTAL	
11. Sales through public Auctions in India as a percentage of tea manufactured excluding packet tea etc. as exempted under paragraph 19 of the Tea (Marketing) Control Order, 1984.	

### DECLARATION

I/We hereby certify that the information including figures given in the above return are correct and that they can be verified from records.

Signature

OWNER/MANAGER

Place.....

Date:.....

\*\* A list indicating the names and addresses of persons to whom the tea was sold ex-factory during the month under reference including the quantity sold and average prices obtained in respect of each person should be attached.

**FORM D**

[See Paragraph 8]

Application for Licence under Paragraph 8  
of the Tea (Marketing) Control Order, 1984

—————ORIGINAL|DUPLICATE.

To

The Licensing Authority,  
Tea Board,  
Calcutta-700001.

Sir,

I|We\* hereby apply for a licence to carry on  
the business in tea as: BROKER IN TEA AUCTIONS|ORGANISER OF TEA AUCTION

I|We\* furnish the necessary particulars below :

1. Name of the applicant : (in block letters).  
(in the case of partnership concern, the names of all the partners should be given).
2. Full address (to which correspondence should be sent):
3. Nature of licence required Licence as :  
Broker in Tea Auctions  
Organisers of Tea Auctions.
4. Full address of the premises in which the applicant intends to do business :
5. Amount of fee paid.

I|We\* have carefully read and understood the  
Tea (Marketing) Control Order, 1984 and hereby  
agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

[Signature(s) of the Applicant(s)]

Place :

Date :

\*Score out the words not applicable.

NOTE 1 : This application should be signed, in the case of a company, by the Secretary or an authorised agent of the company and in the case of a partnership concern, by one of the partners and in the case of individuals, the words "Sole Proprietor" shall be appended after signature.

NOTE : 2 : The application shall be submitted to the Licensing Authority in Duplicate.

84 GI/84-3

**FORM E**

[See Paragraph 9(2)]

**LICENCE FOR CARRYING ON BUSINESS  
AS : BROKER IN TEA AUCTIONS  
ORGANISERS OF TEA AUCTIONS**

NOT TRANSFERABLE

ISSUED UNDER CLAUSE 9(2) OF THE  
TEA (MARKETING) CONTROL ORDER,  
1984

14, Biplabi Trailokya Maharaj Sarani,

CALCUTTA-700 001

DATE:

LICENCE No.

Shri|Sarvashri\*—————

of—————

is|are\* hereby authorised to carry on the business as broker in public tea auctions|organisers of tea auctions in terms of the Tea (Marketing) Control Order, 1984.

This licence is valid upto and including 31st December, 19.....under suspended before that date under paragraph 15 of the Tea (Marketing) Control Order, 1984.

**CHAIRMAN,  
TEA BOARD,  
LICENSING AUTHORITY.**

(\*Score out the word not applicable).

**FORM F**

[See Paragraph 11(1)]

**APPLICATION UNDER PARAGRAPH 11  
(1) OF THE TEA (MARKETING) CONTROL  
ORDER, 1984, FOR RENEWAL OF LICENCE  
ORIGINAL\*|DUPLICATE**

To

The Licensing Authority,  
Tea Board,  
Calcutta-700001

Sir,

I|We\* hereby apply for the renewal of my|our\* licence as Brokers|Tea Auction Organisers  
Licence No.————dated————issued by  
you.

I|We\* furnish the necessary particular below :

1. Name of the applicant : (in block letters)  
(in case of partnership concern, the

names of all the partners should be given).

2. Full address (to which correspondence should be sent):
3. Nature of licence required : BROKER|  
ORGANISERS OF AUCTIONS :
4. Full Addresses of the various premises, If any in which the applicant intends to do business :
5. Amount of fees paid :

I|We\* have carefully read and understood the Tea (Marketing) Control Order, 1984, and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

[Signature(s) of the applicant(s)]

Place :

Date :

\*Strike out whichever is not applicable.

NOTE : 1 : To be sent to Licensing Authority in Duplicate.

2. This application should be signed, in the case of companies, by the Secretary or an

authorised agent, and in the case of partnership concerns, by one of the authorised partners and in the case of individuals, the words "Sole Proprietor" shall be appended after signature and in any other case, should be signed by an authorised person.

#### FORM G

TEA BOARD,

14, BIPLABI TRAILOKYA, MAHARAJ  
SARANI, CALCUTTA-700001.

[See Paragraph 11(2)|Renewal of Licence]

Certified that the Licence No. \_\_\_\_\_ issued on \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ carry on the business in tea as Broker|Organisers of Auctions in terms of the Tea (Marketing) Control Order 1984, is hereby renewed until 31st December, 19 \_\_\_\_\_ unless previously suspended before that date under paragraph 15 of the Tea (Marketing) Control Order, 1984.

Licensing Authority,

Date : \_\_\_\_\_

Renewal No. \_\_\_\_\_

[File No. K-11012(1)|84-Plant 'A']

V. C. PANDE, Addl. Secy.